खुले में गंदगी करने व पॉलीथीन का विक्रय व उपयोग करने वालो की सूचना स्पॉट फाईन दल को दें

रतलाम 04 जून । नगर में ऐसे दुकानदार एवं नागरिक जो कि खुले में, नाले-नालियों में कचरा डालते है व 50 माईक्रॉन से कम मोटाई की पॉलीथीन का विक्रय, उपयोग व भण्डारण करते है उन पर जुर्माना किये जाने हेतु निगम आयुक्त श्री सोमनाथ झारिया ने दल का गठन कर स्पॉट फाईन हेतु वाहन भी उपलब्ध कराया है।

गठित दल में मनोज टांक मो.नं. 7000848456, पवन झांझोट मो.नं. 7000128812, आकाष षिन्दे मो.नं. 9424075393, मनोज झांझोट मो.नं. 6268449110, राकेष ललावत मो.नं. 7000128812 नगर में ऐसे दुकानदार एवं नागरिक जो कि खुले में, नाले-नालियों में कचरा डालते है व 50 माईक्रॉन से कम मोटाई की पॉलीथीन का विक्रय, उपयोग व भण्डारण करते है उन पर जुर्माना करेंगे व जो दुकानदार जुर्माने के बाद भी निरंतर गंदगी करते है उनकी दुकाने सील करने की कार्यवाही करेंगे। नगर निगम द्वारा नागरिकों से भी अपील की जाती है कि शहर को गंदा करने वाले नागरिकों, दुकानदारों आदि की जानकारी उक्त मोबाईल नम्बरों पर देकर नगर को साफ-स्वच्छ बनाने में सहयोग प्रदान करें।

6-6-2021

शनिवार को कोरोना पाजिटिव की संख्या में फिर बढोत्तरी, कुल सौलह पाजिटिव मिले

रतलाम। कोरोना संक्रमितों की संख्या में शनिवार को मामूली बढोत्तरी सामने आई। शुक्रवार को जहां केवल 12 कोरोना संक्रमित मिले थे,वहीं आज शनिवार को इसमें बढोत्तरी हुई है। शनिवार को कुल 16 कोरोना पाजिटिव मरीज मिले है। स्वास्थ्य विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक शनिवार को मिले सौलह कोरोना संक्रमितों में से सात मरीज रतलाम के जिनमें से तीन तो इन्द्रानगर के एक ही परिवार के है। इसके अलावा समीपस्थ ग्राम धराड में 4 कोरोना पाजिटिव मिले है,जबकि सैलाना और जावरा में केवल एक एक मरीज मिला है। शेष मरीज अन्य गांवों के है।

रतलाम में कोरोना के 16 नए, ब्लैक फंगस का 1 मरीज मिला

रतलाम | रतलाम जिले में कोरोना संक्रमण के केस कम हो चुके हैं। शनिवार को 16 नए पॉजिटिव मिले। मौत का आंकड़ा नहीं बढ़ा जो राहत की बात है। जिले में अब कुल संक्रमित की संख्या 17379 हो गई है। वहीं एक्टिव मरीज 392 हैं। इधर, ब्लैक फंगस के मामले में मेडिकल कॉलेज में शनिवार को इंदौर से आए एक व्यक्ति को भर्ती किया गया है।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने मीडिया से की चर्चा

प्रदेश की पॉजिटिविटी दर 0.8 प्रतिशत, कोरोना कर्फ्यू 15 जून तक जारी रहेगा : मुख्यमंत्री

प्रकाश न्यूज • भोपाल

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रदेश में कोरोना संक्रमण की स्थिति नियंत्रण में है। प्रदेश में कल 81 हजार टेस्ट हुए थे, जिनमें केवल 718 पॉजीटिव प्रकरण आए हैं। पॉजिटिविटी रेट अब घटकर 0.8 प्रतिशत हो गया है।

प्रदेश के पाँच जिले ऐसे हैं, जिनमें कल कोरोना का एक भी प्रकरण नहीं आया। हमें आशा है कि प्रदेश के कई जिले अगले कुछ दिनों में पूरी तरह कोरोना मुक्त हो जायेंगे। मुख्यमंत्री श्री चौहान स्मार्ट सिटी पार्क में वृक्षारोपण के उपरांत मीडिया प्रतिनिधियों से चर्चा कर रहे थे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि अभी इंदौर, भोपाल और जबलपुर में कोरोना के प्रकरणों की कुछ संख्या हैं, अभी लगातार सावधानी रखी जा रही है। अगर पाँच प्रतिशत से कम पॉजिटिविटी दर होती है तो कोरोना संक्रमण नियंत्रण में माना जाता है। हम 0.8 प्रतिशत पॉजिटिविटी रेट पर पहुँच चुके हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि अभी भी जनता का सहयोग आवश्यक है। ग्राम, वार्ड, नगर और जिलों की क्राइसिस मैनेजमेंट कमेटियाँ अनलॉक की प्रक्रिया में पूरी सतर्कता बरत रही हैं। हमें कोविड अनुकूल व्यवहार अर्थात मास्क लगाना, दूरी बनाए रखना, बार-बार हाथ साफ करना आदि को अपनी आदत में शामिल करना होगा। दुकानदारों को भी दूरी बनाये रखने, दुकानों पर भीड़ नहीं लगने देने जैसी सावधानियों को अपनाना होगा।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश में प्रतिदिन 75 हजार से 80 हजार तक टेस्ट कराए जायेंगे। हमारी कोशिश यह है कि किसी भी हिस्से में यदि संक्रमित व्यक्ति मिले तो उसकी पहचान तत्काल कर ली जाये। उन्हें आवश्यकतानुसार होम आयसोलेट कर अथवा कोविड केयर सेंटर में ले जाकर जरूरी इलाज आरंभ किया जाये। इसके साथ ही कॉन्ट्रेक्ट ट्रेसिंग की प्रक्रिया भी जारी रहेगी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश में किल-कोरोना अभियान जारी रहेगा, इससे सर्दी, जुकाम, बुखार के प्रकरणों में तत्काल इलाज आरंभ किया जा सकेगा।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि हमारी कोशिश यह है कि पूरी सावधानी रखी जाये, जिससे रोजगार और व्यापार भी चले और कोरोना संक्रमण भी नियंत्रण में रहे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि मुझे पूरा विश्वास है कि प्रदेश की जनता का सहयोग लगातार मिलता रहेगा। प्रदेशवासियों के संयम और सहयोग का मैं आभारी हूँ। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि 15 जून तक कोरोना कर्फ्यू लागू रहेगा, इसमें आवश्यकतानुसार छूट दी जाएगी।

विश्व पर्यावरण दिवस आज

मुख्यमंत्री का पौधरोपण संकल्प बना अभियान, 'अंकुर' का शुभारंभ आज

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज स्मार्ट उद्यान में गुलमोहर का पौधा लगाया।

स्वदेश ब्यूरो, भोपाल

कल विश्व पर्यावरण दिवस है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान इस अवसर पर स्थानीय स्मार्ट सिटी पार्क में पौध रोपण कर 'अंकुर' कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ करेंगे। इस वर्चुअल कार्यक्रम में जिलों में स्वच्छ कार्यक्रमों के लिए काम करने वाले प्रतिभागियों को प्राणवायु अवार्ड से सम्मानित भी किया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने गत 19 फरवरी नर्मदा जयंती से प्रतिदिन एक पौधा रोपने का संकल्प लिया था। इसके अंतर्गत वह बीते 105 दिनों से निरंतर पौध रोपण कर रहे हैं। शुक्रवार को भी उन्होंने गुलमोहर का पौधा रोपा। इस मौके पर श्री चौहान ने अपने संदेश में कहा कि 'अंकुर' कार्यक्रम में जन-सहभागिता के लिये मोबाइल पर 'वायुदूत एप' डाउनलोड कर स्व-पंजीयन करना होगा और पौधा रोप कर उसका फोटो अपलोड करना है। फलदार-छायादार वृक्ष का पौध-रोपण और देखभाल करने वाले चयनित प्रतिभागियों को सम्मानित कर उन्हें सहभागिता प्रमाण-पत्र प्रदान किये जाएँगे।

विजेता होंगे प्राणवायु अवार्ड से सम्मानित

'अंकुर' कार्यक्रम का उद्देश्य हरित क्षेत्र में वृद्धि के साथ प्रदेश को स्वच्छ पर्यावरण और प्राणवायु से समृद्ध प्रदेश बनाना है। कार्यक्रम में फलदार-छायादार वृक्षों का पौध-रोपण और देखभाल करने वाले जिलेवार चयनित विजेताओं को मुख्यमंत्री 'प्राणवायु'' अवार्ड से सम्मानित कर प्रमाण-पत्र प्रदान करेंगे। एको को इस समूचे काम का दायित्व सौंपा गया है। विजेताओं का चयन समान अनुपात में होगा एवं इन्हें 'वृक्षवीर'' और 'वृक्ष वीरांगना'' के रूप में जाना जायेगा। पौध-रोपण घर के आँगन, शासकीय, अशासकीय भूमि, सामुदायिक स्थानों पर किये जा सकेंगे।

अंकुर अभियान, सीएम ने ली वीसी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

रतलाम. अंकुर अभियान के तहत प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने संबोधित करते हुए पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन का आह्वान किया। इस दौरान रतलाम एनआईसी कक्ष में सीईओ जिला पंचायत मीनाक्षी सिंह, मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद जिला समन्वयक रत्नेश विजयवर्गीय, पर्यावरणविद भारत सरकार एमसीडीएच कमेटी सदस्य अशोक पाटीदार, पर्यावरण टोली प्रमुख कपिल व्यास, गायत्री परिवार से विकास सेहावल, इको क्लब महाविधालय प्रभारी प्रो. दिनेश जाधव, इको क्लब नोडल अधिकारी अशोक लोढ़ा, जिला मास्टर ट्रेनर्स कृष्णलाल शर्मा मौजूद थे।

पौधे लगाओगे... तभी कर सकोगे भवन निर्माण

मुख्यमंत्री ने की घोषणा ● पर्यावरण दिवस पर शिवराज ने कहा- इस शर्त को जल्द ही कानूनी रूप दिया जाएगा

भोपाल (नईदुनिया स्टेट ब्यूरो)। प्रदेश में अब भवन (बिल्डिंग) निर्माण की अनुमति पौधे लगाने की शर्त पर ही मिलेगी। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को विश्व पर्यावरण दिवस पर यह घोषणा की। उन्होंने कहा कि अब इसे कानूनी रूप दिया जाएगा और यह शर्त सिर्फ नगरीय क्षेत्रों तक सीमित नहीं रहेगी। गांवों में भी भवन बनाने की अनुमति निर्माणकर्ता द्वारा पौधे लगाने की शपथ लेने पर ही दी जाएगी। मकान बनाने वाला आसपास पौधा रोपे। यदि वहां जगह नहीं है तो पार्क में या सार्वजनिक स्थल (पंचायत भवन, स्कूल परिसर) पर जहां जगह मिले वहां पौधा लगाना होगा। ग्राम पंचायतों से भी कहा जाएगा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि मकान बनाने वाला कम से कम एक पौधा तो लगाए।

पहले से है नियम, पर नहीं होता पालन : एमपी स्ट्रक्चर इंजीनियरिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष अब्दुल मजीद कहते हैं कि भवन अनुमति के साथ पौधे लगाने का नियम पहले से है लेकिन व्यावहारिक रूप से कोई इसका पालन नहीं करता। इससे जुड़ी अधिसूचना में ही यह प्रविधान है कि 1500 से 3000 वर्ग फीट के भवन की मंजूरी तीन से पांच पौधे रोपने की शर्त पर दी जाएगी। हालांकि नगर तथा ग्राम निवेश विभाग के नियमों में कॉलोनी में पौधे रोपने का कोई नियम नहीं है, पर फार्म हाउस के मामले में 200 पौधे रोपने का नियम है। मजीद कहते हैं कि नगरीय निकायों में भवन पूर्णता प्रमाण पत्र अनिवार्य किया है। अब पौधों की स्थिति देखकर प्रमाण पत्र दिया जाए।

जितने फ्लैट बनेंगे, बिल्डर को उतने पौधे रोपने होंगे

वृहद पौधारोपण अभियान 'अंकुर' का शुभारंभ करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह शर्त प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बनने वाले मकानों पर भी लागू होगी। बहुमंजिला इमारत में जितने फ्लैट बनेंगे, बिल्डर को उतने पौधे रोपने होंगे। सभी सरकारी भवनों के निर्माण में भी पौधे लगाने की शर्त जोड़ी जाएगी।

पर्यावरण सुधार हमारे लिए नारा नहीं मंत्र है

सीएम ने कहा, व्यक्ति स्वप्रेरणा से भी पौधे लगाएंगे क्योंकि पर्यावरण सुधार हमारे लिए नारा नहीं मंत्र है। इस कार्यक्रम में मंत्री, जनप्रतिनिधि, जिला नोडल अधिकारी और प्रतिभागी वर्चुअल रूप से शामिल हुए। इस शर्त के कानूनी रूप से पालन के लिए विस्तृत नियम-कायदे अब बनाए जाएंगे।

मप्र पहला राज्य; बिल्डिंग परमिशन के लिए यहां पेड़ लगाना होगा

मल्टी स्टोरी में जितने फ्लैट, बिल्डर उतने पेड़ लगाएं

पॉलिटिकल रिपोर्टर | भोपाल

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि अब बिल्डिंग परमिशन इसी शर्त पर दी जाएगी कि मकान बनाने वाला व्यक्ति एक पेड़ लगाए। इस व्यवस्था को नगर निगम, नगर पालिका, नगर पंचायत अपने-अपने क्षेत्र में लागू करवाएं। मप्र देश का पहला ऐसा राज्य होगा, जहां बिल्डिंग परमिशन के लिए पेड़ लगाना अनिवार्य किया गया है। मुख्यमंत्री सीएम हाउस से विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर वर्चुअली अंकुर वृक्षारोपण अभियान का शुभारंभ कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि घर छोटा होने पर पार्क या सार्वजनिक स्थल पर पौधा लगाना और उसकी सुरक्षा करना आवश्यक होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि गांवों में भी ग्राम पंचायतों की यह जिम्मेदारी होगी कि जो भी मकान बने वहां एक पेड़ अवश्य लगे। यह शर्त प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत बनने वाले आवासों पर भी लागू होगी। सरकारी भवनों और कार्यालयों के लिए भी यही शर्त रहेगी। मल्टी स्टोरी बिल्डिंग में जितने फ्लैट बनेंगे बिल्डर को उतने ही पेड़ लगाना आवश्यक होगा। शासकीय भवनों के निर्माण में भी यह शर्त जोड़ी जाएगी।

मप्र में अब पौधा लगाने पर ही मिलेगी बिल्डिंग परमिशन

देश में ऐसी व्यवस्था करने वाला पहला राज्य बना

पीपुल्स ब्यूरो ● भोपाल

मो.नं. 9425174141

मध्यप्रदेश, देश का पहला राज्य बन गया जहां किसी व्यक्ति को भवन अनुज्ञा (बिल्डिंग परमिशन) तभी मिलेगी जब वह एक पेड़ लगाने का प्रमाण देगा। यह फैसला शनिवार को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पर्यावरण दिवस पर अंकुर अभियान का शुभारंभ करते हुए लिया। मुख्यमंत्री ने यह कदम प्रदेश में पर्यावरण संरक्षण को देखते हुए उठाया है। उन्होंने कहा कि नगर निगम हो, नगर पालिका, नगर पंचायत अर्थात जिस भी स्तर का नगरीय निकाय हो बिल्डिंग परमिशन के लिए पौधा लगाने की शर्त अनिवार्य होगी। घर पर जगह न होने की स्थिति में पार्क या सार्वजनिक स्थल पर पौधा लगाना और उसकी सुरक्षा करना आवश्यक होगा।

23 ग्राम पंचायतों की भी जिम्मेदारी: पेड़ लगाने की शर्त प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत बनने वाले आवासों पर भी लागू रहेगी। प्रदेश में करीब 23 हजार ग्राम पंचायत हैं। स्कूल, पंचायत भवन, खेत, सरकारी भवनों और कार्यालयों के लिए भी यह शर्त रहेगी। मल्टीस्टोरी बिल्डिंग में जितने फ्लैट बनेंगे, उतने पेड़ बिल्डर को लगाने होंगे। सभी शासकीय, गैर-शासकीय भवनों के निर्माण में पेड़ लगाने की शर्त जोड़ी जाएगी।

सीएम शिवराज का ऐलान

अब बिल्डिंग परमिशन के लिए लगाने होंगे पौधे

पत्रिका न्यूज नेटवर्क

patrika.com

भोपाल. प्रदेश में मकान बनाना है तो पौधे लगाना अनिवार्य होगा। बिल्डिंग परमिशन के साथ अब यह शर्त अनिवार्य की जाएगी। सीएम शिवराज सिंह चौहान ने विश्व पर्यावरण दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बनने वाले मकानों में भी यह नियम लागू होगा। उन्होंने कहा, मकान के सामने यदि खाली जगह न हो तो आसपास भी लगा सकते हैं। यदि आसपास भी जगह नहीं है तो नगर निगम, नगर पालिका के पार्क या अन्य स्थानों पर पौधे लगाने होंगे। स्कूल भवन, पंचायत भवन या फिर अन्य स्थानों पर भी लगा सकते हैं। यह नियम नगर निगम, नगर पालिका क्षेत्र में लागू होने के साथ गांवों में भी लागू होगा। पंचायतों से भी कहा जाएगा कि गांव में मकान बनाएं तो पौधे लगाएं।

होगा संशोधन

मुख्यमंत्री की इस घोषणा के साथ अब बिल्डिंग परमिशन के नियमों में संशोधन किया जाएगा। इसमें पौधे लगाने संबंधी शर्त को अनिवार्य किया जाएगा।

(13)

जारी रहेगा लेफ्ट-राइट या मिलेगी छूट

क्राइसिस मैनेजमेंट कमेटी की बैठक आज दोपहर तीन बजे

रतलाम (नईदुनिया प्रतिनिधि)। 53 दिन लॉकडाउन के बाद एक जून से अनलॉक के छह दिन में सिर्फ दो दिन दुकानें लेफ्ट-राइट सिस्टम से खुल पाई हैं। शनिवार-रविवार को दुकानें बंद रहने के बाद सोमवार से यही व्यवस्था लागू रहेगी या छूट का दायरा बढ़ेगा, यह आज होने वाली क्राइसिस मैनेजमेंट कमेटी की बैठक में तय होगा। कलेक्टोरेट सभाकक्ष में दोपहर तीन बजे जिला कोविड प्रभारी मंत्री जगदीश देवड़ा सहित सभी विधायक व कमेटी के अन्य सदस्य बैठक में शामिल होंगे।

मालूम हो कि सड़क के लेफ्ट व राइट वाले हिस्से में एक-एक दिन दुकानें खोलने की अनुमति दी गई है। इसमें भी स्ट्रीट फूड, रेस्टोरेंट, हेयर सैलून सहित अन्य कई दुकानों को खोलने पर प्रतिबंध लगाया गया है। जिले में कोरोना मरीजों की संख्या में लगातार कमी आ रही है। इसके चलते अब छूट का दायरा बढ़ाने की मांग दुकान संचालक, व्यापारी कर रहे हैं। जिले में अभी संक्रमण दर 1.6 प्रतिशत के आसपास बनी हुई है।

पांचवें दिन 16 नए पॉजिटिव

शनिवार को 16 नए पॉजिटिव केस सामने आए। 62 मरीजों को स्वस्थ होने पर डिस्चार्ज किया गया। लगातार तीसरे दिन एक भी मौत नहीं हुई। अब एक्टिव मरीजों की संख्या 392 है। जिले में अब तक 17379 पॉजिटिव केस सामने आ चुके हैं, जहां 16679 मरीजों को स्वस्थ होने पर डिस्चार्ज किया जा चुका है। मौत का कुल आंकड़ा 308 पर पहुंच गया है।

दो मरीजों को मेडिसिन किट वितरित

ई-दक्ष केंद्र से शनिवार को होम आइसोलेशन के मरीजों की सूची स्वास्थ्य

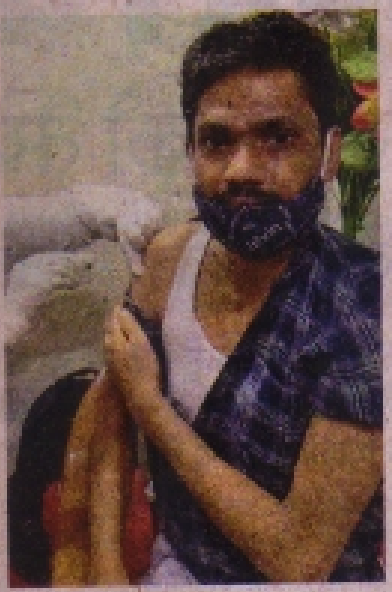

रतलाम के चांदनीचौक स्थित केंद्र में टीका लगवाते हुए सराफा व्यापारी। •नईदुनिया

अधिकारी एपी सिंह ने प्राप्त कर जिला अस्पताल के स्टोर से दो मेडिसिन किट लेकर निगम के अभिशमन विभाग में उपलब्ध कराई। अभिशमन विभाग से वार्ड वार गठित दलों को वितरण हेतु उपलब्ध कराई गई। वार्ड वार गठित दलों द्वारा सूची अनुसार दो मरीजों को मेडिकल किट का वितरण किया गया। इसके अलावा तीन मेडिसिन किट मरीज के स्वजनों को दी गई।

नगरीय क्षेत्र में 252 कंटेनमेंट जोन बनाए

कोरोना की रोकथाम के लिए कलेक्टर व प्रशासक नगर निगम कुमार पुरुषोत्तम के निर्देशानुसार ऐसे क्षेत्र जहां संक्रमित मिल रहे हैं, उसे कंटेनमेंट जोन बनाया जा रहा है। इसके तहत नगरीय क्षेत्र में अब तक 252 कंटेनमेंट जोन बनाए जा चुके हैं। नगर निगम द्वारा प्रतिदिन फायर लारी व ट्रैक्टर से विभिन्न क्षेत्रों की सड़कों, गलियों, भवन आदि को एक प्रतिशत सोडियम हाईपोक्लोराइड मिलाकर एक लाख लीटर पानी से सैनिटाइज किया जा रहा है। शनिवार को फायर लारी व ट्रैक्टर से मेडिकल कालेज सहित विभिन्न क्षेत्रों में सैनिटाइजेशन किया गया। इसके अलावा 14 व्यक्तियों की टीम द्वारा हैंड मशीन के माध्यम से मेडिकल कालेज, मादक्को कंटेनमेंट क्षेत्र, कलेक्टोरेट, ई-दक्ष कार्यालय, नगर निगम कार्यालय सहित शासकीय कार्यालयों आदि को सैनिटाइज किया गया।

मेडिकल कालेज में 479 बेड खाली

शासकीय मेडिकल कालेज हास्पिटल से शनिवार को 11 व्यक्ति स्वस्थ होकर अपने घर लौटे। डिस्चार्ज होते समय इन लोगों ने कोविड के नियमों का पालन करने तथा स्वजनों को भी सभी नियमों का पालन कराने का संकल्प लिया। डीन डा. जितेंद्र गुप्ता ने बताया कि आठ नए मरीज भर्ती हुए। मेडिकल कालेज हास्पिटल में कुल बिस्तरों की संख्या 550 है। आइसीयू बेड 56 में से 24 पर पेशेंट हैं। एचडीयू में 172 बेड में 21 पर पेशेंट हैं। आक्सीजन बेड 180 में 24 पर पेशेंट हैं। नान आक्सीजन बेड 142 में से दो पर पेशेंट भर्ती हैं। कुल 71 पेशेंट हास्पिटल में भर्ती हैं। इनमें 35 पाजिटिव तथा शेष सस्पेक्टेड या आक्सीजन लेवल वाले हैं। हास्पिटल में रिक्त बेड 479 हैं। रेमडेसिविर की स्थिति अनुसार अब तक टोटल रिसीव्ड 7580, डिस्ट्रीब्यूटेड 1557, कन्ज्यूम्ड 5896, क्लोज स्टाक 127 है। शनिवार को सराफा एसोसिएशन के पदाधिकारियों व सदस्यों का चांदनीचौक क्षेत्र में टीकाकरण किया गया।

6/6/21

वित्त मंत्री देवड़ा का दौरा कार्यक्रम

रतलाम । प्रदेश के वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा रविवार को दोपहर 1.45 बजे मंदसौर से प्रस्थान कर दोपहर 3 बजे रतलाम आएंगे। श्री देवड़ा कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला स्तरीय क्राइसिस मैनेजमेंट कमेटी की बैठक में शामिल होने के उपरांत सायं 4.30 बजे रतलाम से भोपाल के लिए प्रस्थान करेंगे।

वित्त मंत्री देवड़ा आज रतलाम में

रतलाम। प्रदेश के वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा 6 जून रविवार को दोपहर 1.45 बजे मंदसौर

वित्त मंत्री देवड़ा आज करेंगे कोरोना की समीक्षा

रतलाम। प्रदेश के वित्त मंत्री

जगदीश देवड़ा 6 जून रविवार को दोपहर 1:45 बजे मंदसौर से प्रस्थान कर दोपहर 3 बजे रतलाम आएंगे। श्री देवड़ा कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला स्तरीय क्राइसिस मैनेजमेंट कमेटी

67 आयुष्मान कार्ड बनाए

रतलाम। आयुष्मान भारत 'निरामयम' योजना अंतर्गत शहर के पात्र हितग्राहियों के निशुल्क आयुष्मान कार्ड बनाने का कार्य शनिवार से प्रारंभ हुआ। नगर निगम द्वारा 15 जून तक वार्डो के कामन सर्विस सेंटरों पर वार्ड वार नियुक्त अधिकारी एवं कर्मचारियों द्वारा आयुष्मान कार्ड बनाने का कार्य किया जाएगा। पहले दिन शनिवार को 67 हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड बनाए गए।

6/6/21

नईदुनिया

नई दुनिया।

रतलाम।

नगरीय निकाय

जल, संपत्ति कर के अधिभारों में छूट

पत्रिका 6/

भोपाल. कोरोना के चलते सरकार ने उपभोक्ताओं को नगर निगम के तमाम करों के अधिभारों में छूट देने का निर्णय लिया है। लाभ उन्हीं उपभोक्ताओं को मिलेगा जो अगस्त तक की बकाया राशि निकायों में जमा करेंगे। छोटे बकायादारों को ज्यादा लाभ दिया गया है। संपत्ति कर के ऐसे प्रकरण जिनमें कर और अधिभार की राशि 50 हजार होगी उनमें अधिभार को सौ फीसदी तक छूट मिलेगी। नगरीय प्रशासन एवं आवास विभाग ने सभी नगरीय निकायों को गाइडलाइन जारी कर दी है। इससे निकायों की लाखों, करोड़ों रुपए पुरानी बकाया राशि वसूल हो सकेगी, वहीं उपभोक्ताओं को भी राहत मिलेगी।

छूट का लाभ सिर्फ अधिभार राशि में ही उपभोक्ताओं को मिल सकेगा। ब्याज, स्टाम्प ड्यूटी, मूल कर, मूल उपभोक्ता प्रभार अथवा, भू-भाटक अथवा किराया में छूट लागू नहीं होगी।

ऐसे मामले जिनमें कर तथा अधिभार की राशि एक लाख रुपए बकाया है, उन्हें अधिभार में 50% तक छूट मिलेगी। एक लाख रुपए से अधिक कर सहित अधिभार लगाया गया है उन्हें 25% छूट मिल सकेगी। नगर निगम की संपत्ति को किराए अथवा भू-भाटक पर लेने वालों को भी अधिभार में छूट दी गई है। जिन उपभोक्ताओं की अधिभार सहित कुल देय राशि बीस हजार है उन्हें सौ फीसदी छूट मिलेगी। अधिभार सहित कुल देय राशि 20 से 50 हजार वाले बकायादारों को 50% की छूट की पात्रता होगी। नगर निगम की संपत्ति को किराए या भू-भाटक पर लेने वाले बकायादार को 50 हजार तक बकाया होने पर अधिभार में 50% छूट मिलेगी।

50 हजार तक बकाया संपत्तिकर जमा करने पर अधिभार माफ

निर्णय

- छूट लेने के लिए संपत्तिकर जमा कराने की अंतिम तिथि है 31 अगस्त
- अधिक बकाया होने पर प्रतिशत आधार पर कम होती जाएगी छूट

भोपाल (नईदुनिया स्टेट ब्यूरो)। कोरोना संक्रमण काल में अपनी आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने विभिन्न करों (टैक्स) की बकाया राशि 31 अगस्त तक जमा करने पर अधिभार में छूट देने का निर्णय लिया है। किसी पर संपत्ति कर के 50 हजार रुपये बकाया हैं, तो उनका सौ फीसद अधिभार माफ किया जाएगा। वहीं इससे अधिक राशि बकाया होने पर कर में छूट का प्रतिशत कम होता जाएगा। विभाग ने कहा कोरोना संक्रमण की वजह से लोग आर्थिक रूप से परेशान हैं। ऐसे में उन्हें उपभोक्ता प्रभार एवं कर के भुगतान में कठिनाई हो रही है। इसके चलते ये छूट दी जा रही है। विभाग ने इसके आदेश जारी कर दिए हैं।

विभाग ने साफ कहा विभिन्न करों में दी जा रही छूट सिर्फ अधिभार राशि पर लागू होगी। ब्याज, स्टांप ड्यूटी, मूल कर, मूल उपभोक्ता प्रभार, भू-भाटक या किराया राशि में नहीं दी जाएगी। विभाग ने सभी नगरीय निकायों को इस निर्णय का व्यापक प्रचार-प्रसार कर ज्यादा से ज्यादा राशि वसूलने के निर्देश दिए हैं।

ऐसे मामलों में मिलेगी छूट

- संपत्तिकर के ऐसे मामले, जिनमें कर एवं अधिभार की राशि 50 हजार तक बकाया है। उनका सौ फीसद अधिभार माफ। जिनमें एक लाख रुपये बकाया है, उनमें अधिभार की 50 फीसद और जिनमें एक लाख से अधिक राशि बकाया है, उनमें अधिभार की 25 फीसद राशि माफ होगी।
- निकायों में बेची गई परिसंपत्तियों के भू-भाटक/किराए के ऐसे मामले, जिनमें 20 हजार रुपये तक बकाया है। उनका सौ फीसद अधिभार माफ होगा। जिनमें 20 से 50 हजार रुपये बकाया है, उनमें मात्र अधिभार में 50 फीसद की छूट मिलेगी। वहीं जिनमें 50 हजार रुपये से अधिक राशि बकाया है, उनमें मात्र अधिभार की 25 फीसद राशि माफ होगी।
- जल उपभोक्ता प्रभार के ऐसे मामलों में अधिभार की सौ फीसद राशि माफ की जाएगी, जिनमें 10 हजार रुपये तक बकाया है। 10 हजार से अधिक व 50 हजार रुपये तक बकाया राशि पर मात्र अधिभार में 75 फीसद की छूट दी जाएगी। वहीं 50 हजार से अधिक राशि बकाया है, तो मात्र अधिभार में 50 फीसद की छूट मिलेगी।

नई दुनिया 6/6/21

नई दुनिया
6-6-2021

प्रशासन के माइंड गेम पर भारी यंग ब्रिगेड • सुबह 11.30 बजे बंद करना पड़े गेट, कुछ युवा गेट पर ही 45प्लस वाले ढूंढते रहे

मौकापरस्ती नहीं यह तो टीकापरस्ती

45+ वालों को साथ लाने की स्कीम पर जुटी 18+ वालों की भीड़, 115 टीके ज्यादा लगे

कायदे से दोनों कैटेगिरी में होना था 50-50 फीसदी टीकाकरण, इधर... सराफा एसोसिएशन में सोशल डिस्टेंसिंग तार-तार

भास्कर लाइव

भास्कर संवाददाता | रतलाम

प्रशासन ने 18+ के साथ 45+ के व्यक्ति लाने पर बिना रजिस्ट्रेशन टीका लगाने की स्कीम दी थी। इस कारण काटजू नगर के सरस्वती स्कूल कैंप में जबर्दस्त भीड़ उमड़ी। व्यवस्था की कमी से 18+ में 115 टीके ज्यादा लगे। प्रशासन अब पड़ताल में जुट गया है कि ऐसा कैसे हुआ क्योंकि एक के साथ एक की स्कीम के तहत 50-50 प्रतिशत टीके ही दोनों श्रेणी में लगना थे।

सुबह 11.30 बजे तक तो गेट बंद करने की नौबत आ गई। इधर, कुछ युवा गेट पर 45+ के लोगों से पूछताछ भी करते रहे ताकि कोई अकेला हो तो उनके साथ हो जाएं। शिशु मंदिर में रोबिनहुड आर्मी को व्यवस्था की जिम्मेदारी दी थी। शाम तक कुल 621 लोगों ने वैक्सीन लगवाई। इसमें 45+ की उम्र के 253 तो वहीं, 18+ की उम्र के 368 लोग टीका लगवाकर जा चुके थे। शहर प्रभारी लोकेश वैष्णव ने कहा कि शाम को मिलान किया तो 18+ में ज्यादा टीके लगे। अब ध्यान रखेंगे।

काटजू नगर के सरस्वती शिशु मंदिर में कैम्प के दौरान इस तरह भीड़ उमड़ी।

यह गलत है... तंग गली में रखा शिविर, भीड़ जुटी

सराफा की तंग गली में इस तरह लाइन में लगे युवा।

कोई पिता तो कोई मां को लेकर आया...

ये ईदगाह रोड निवासी वासुदेव पांचाल (25) और उनके पिता गिरधारी लाल पांचाल (50) हैं। शनिवार को दोनों पिता पुत्र ने एक साथ वैक्सीन लगवाई।

ये भरावां की कुई निवासी मुर्तुजा (50) और उनकी पत्नी सकीना (42) हैं। मुर्तजा ने बताया अब तक वैक्सीन नहीं लगवाई थी पर कैंप का पता चला तो आज आ गए।

18+ टीके बढ़ने की ये वजह हो सकती है

1. कुछ लोग जान-पहचान के लोगों को भी केंद्र पर लाए होंगे, उन्हें बिना स्लॉट बुकिंग के टीका लगवाया।
2. वैक्सीन के बचे हुए डोज आखिरी में कुछ लोगों को लगाए जा सकते हैं, इससे भी आंकड़ा बढ़ा। लेकिन इतनी बड़ी संख्या नहीं हो सकती।
3. राजनीतिक पार्टी से जुड़े कुछ लोग रसूख से परिचितों को टीका लगवा गए। मौजूद लोगों ने फायदा उठाया।
4. 45+ के कुछ लोग अपने साथ एक से ज्यादा 18+ के लोग भी लेकर आए।

व्यवस्था में बदलाव करेंगे

इस स्कीम का लोगों से अच्छा समर्थन मिला है। हमारा मकसद 45+ के लोगों को केंद्र तक लाना था जो कामयाब रहा। 18+ के लोगों को ज्यादा टीका लगा है, अब हम इस व्यवस्था में बदलाव करेंगे। असर रविवार से ही दिखने लगेगा।

अभिषेक गहलोत, एसडीएम, शहर

ये तस्वीर चांदनीचौक सराफा एसोसिएशन में सुबह 11.28 बजे की है। पतली सी गली में यहां शिविर का आयोजन हो गया। कई लोग वैक्सीन लगवाने पहुंचे नतीजा ये रहा कि भारी भीड़ हो गई। जब भास्कर टीम यहां पहुंची तो एसोसिएशन अध्यक्ष झमक भरगट सहित अन्य भी यहीं थे। वे लोगों से हाथ जोड़कर सोशल डिस्टेंसिंग बनाने की अपील करने लगे। यहां तक की लोगों को वैक्सीन लगाने से भी मना किया लेकिन कोई नहीं माना।

स्वतंत्र एलान
रतलाम-रविवार
email : swata

युद्ध स्तर पर चल रहा है नाले-नालियों की सफाई का कार्य

8 नालो की सफाई का कार्य जारी

रतलाम । वर्षा ऋतु के पूर्व नगर के समस्त नाले-नालियों की सफाई करवाने का कार्य निगम आयुक्त श्री सोमनाथ झारिया द्वारा दिये गये निर्देश के तहत निगम के स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्रारंभ कर दिया गया है साथ ही नालो की सफाई उपरान्त कीटनाशक दवा का छिड़काव भी किया जा रहा है। निगम आयुक्त श्री झारिया के निर्देशानुसार निगम के स्वास्थ्य विभाग अमले द्वारा कन्या महाविद्यालय, विक्रम नगर, शिपोलिया गेट, लक्कड़पीठा, गांधी नगर, ईश्वर नगर पाटक, बाजना बस स्टैण्ड व अमृत सागर मुख्य मार्ग वाले नाले की सफाई का कार्य स्वास्थ्य अधिकारी श्री ए.पी. सिंह के निर्देशन में जेसीबी मशीन, टेक्टर ट्रॉली व गैंग के माध्यम से किया गया व सफाई उपरान्त नालों व नालियों में फेसोलिक व ब्लीचिंग कीटनाशक दवा का छिड़काव किया गया।

(11)

कलेक्टर सहित अधिकारियों ने भी किया पौधरोपण

दबंग रिपोर्टर ■ रतलाम

विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून के अवसर पर कलेक्ट्रेट परिसर में कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम ने पौधारोपण किया। इस दौरान अपर कलेक्टर जमुना भिड़े, डिप्टी कलेक्टर शिराली जैन, कृतिका भीमावद आदि ने भी पौधारोपण किया।

जनजातीय कार्य विभाग रतलाम के सहायक आयुक्त का प्रभार डिप्टी कलेक्टर मनीषा वास्कले ने ग्रहण कर लिया। उन्होंने पदभार ग्रहण करने के बाद विभागीय योजनाओं की समीक्षा की। कोविड प्रोटोकॉल के अंतर्गत समस्त गतिविधियों को गति प्रदान करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर विभागीय कर्मचारियों द्वारा सुश्री वास्कले का स्वागत किया गया। सुश्री वास्कले ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर कार्यालय परिसर में पौधरोपण कर स्वस्थ एवं स्वच्छ वातावरण का संदेश दिया। उन्होंने विभाग द्वारा संचालित संस्थाओं, छात्रावास तथा आश्रम शालाओं के परिसर में भी पौधरोपण करने के निर्देश दिए। इस दौरान विभाग की प्रभारी सहायक संचालक प्रीति जैन, गणतंत्र मेहता एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

कलेक्टर ने किया पौधारोपण

रतलाम. विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून के अवसर पर कलेक्ट्रेट परिसर में कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम ने पौधारोपण किया। इस दौरान अपर कलेक्टर जमुना भिड़े, डिप्टी कलेक्टर शिराली जैन, मनीषा वास्कले सहित अन्य अधिकारी और कर्मचारी ने मौजूद रहकर पौधारोपण किया।

कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम ने पौधरोपण किया

रतलाम। विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून के अवसर पर कलेक्ट्रेट परिसर में कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम ने पौधारोपण किया। इस दौरान अपर कलेक्टर श्रीमती जमुना भिड़े, डिप्टी कलेक्टर सुश्री शिराली जैन, सुश्री मनीषा वास्कले, सुश्री कृतिका भीमावद, उपसंचालक उद्यानिकी पी.एस. कनेल, कार्यालय अधीक्षक रमाकांत उपाध्याय ने भी पौधारोपण किया।

कलेक्टर ने पौधारोपण किया

रतलाम। विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून के अवसर पर कलेक्ट्रेट परिसर में कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम ने पौधारोपण किया। इस दौरान अपर कलेक्टर श्रीमती जमुना भिड़े, डिप्टी कलेक्टर सुश्री शिराली जैन, सुश्री मनीषा वास्कले, सुश्री कृतिका भीमावद, उपसंचालक उद्यानिकी पी.एस. कनेल, कार्यालय अधीक्षक रमाकांत उपाध्याय ने भी पौधारोपण किया।

सरकारी विभागों की लापरवाही से नीति आयोग के मापदंडों में पिछड़ा मध्य प्रदेश

विफलता ● पहले प्रतियोगी (फ्रंट रनर) की श्रेणी में चार अंक से पिछड़ गया प्रदेश

भोपाल (नईदुनिया स्टेट ब्यूरो)। मध्य प्रदेश में नीति आयोग के 16 लक्ष्यों पर कोई भी विभाग खरा नहीं उतर सका। सरकार के तमाम प्रयासों के बाद भी प्रदेश में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का अभाव है। सरकारी स्कूलों में बच्चे प्रवेश नहीं ले रहे हैं, तो नौवीं-10वीं से पढ़ाई छोड़ रहे हैं। भारत सरकार के थिंक टैंक नीति आयोग ने गुरुवार को सतत विकास लक्ष्य सूचकांक और डैशबोर्ड 2020-21 की रिपोर्ट जारी की है।

रिपोर्ट देश के 36 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरण के क्षेत्र में किए गए कामों के लिए दिए 16 लक्ष्यों के प्रदर्शन के आधार पर बनी है। इसमें मध्य प्रदेश अपनी रैंक बरकरार नहीं रख पाया। हालांकि वर्ष 2019 के मुकाबले चार अंक की बढ़ोत्तरी हुई है। इस बार प्रदेश को 62 अंक मिले हैं, लेकिन अन्य राज्यों के मुकाबले वह तीन पायदान नीचे आ गया है।

प्रदेश को फ्रंट रनर की श्रेणी में ले जाने के लिए गरीबी उन्मूलन, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सबको भोजन, जलवायु परिवर्तन रोकने और उद्योग, नवाचार और अधोसंरचना की दिशा में विशेष काम किए जाने थे, पर संबंधित विभाग ऐसा नहीं कर सके। इसका नुकसान यह हुआ कि प्रदेश फ्रंट रनर की श्रेणी से बाहर निकल गया। उद्योग, नवाचार और अधोसंरचना के मामले में फ्रंट रनर की श्रेणी में आने के लिए प्रदेश को 15 अंकों की जरूरत थी। प्रदेश में सड़क संपर्क बेहतर बनाने के प्रयास ठीक से नहीं हुए, इसलिए औद्योगिक अधोसंरचना के क्षेत्र में भी प्रदेश पिछड़ गया। हालांकि स्वच्छता और पानी की उपलब्धता के क्षेत्र में प्रदेश की स्थिति बेहतर है। आयोग ने इसके लिए प्रदेश को 100 में से 86 अंक दिए हैं।

क्षेत्रवार दो साल के अंकों में अंतर

क्षेत्र	2019-20	2020-21	क्षेत्र	2019-20	2020-21
उद्योग, नवाचार और अधोसंरचना	44	37	लैंगिक समानता	45	55
साफ पेयजल, स्वच्छता	92	88	सस्ती और स्वच्छ ऊर्जा	62	86
जलवायु परिवर्तन रोकने के उपाय	47	49	आर्थिक विकास	67	60
गुणवत्तापूर्ण शिक्षा	54	45	असमानता घटाना	68	51
गरीबी उन्मूलन	40	44	शहरों का स्थाई विकास	55	81
सबको भोजन	20	43	उपभोग और उत्पादन	58	78
स्वास्थ्य सेवाएं	50	62	धरातल पर जीवन	94	84
			शांति, न्याय और मजबूत संस्थाएं	63	66

शिक्षा के सबसे बुरे हाल

प्रदेश में सबसे बुरे हाल गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के हैं। रिपोर्ट के मुताबिक पहली से आठवीं कक्षा में प्रवेश लेने वाले बच्चों की संख्या कम हुई है। वहीं नौवीं-10वीं से पहले पढ़ाई छोड़ने वालों की संख्या बढ़ी है। इसमें प्रदेश को 100 में से क्रमशः 81.19 और 24.85 अंक ही मिले। 11वीं-12वीं में सकल नामांकन अनुपात में प्रदेश को

43.73 फीसद अंक मिले हैं। इससे ही मिलते-जुलते हालात उच्च शिक्षा के हैं।

आत्मनिर्भर मध्य प्रदेश अनोखी पहल

आयोग ने आत्मनिर्भर मध्य प्रदेश के नवाचार को अपनी रिपोर्ट में शामिल किया है। आयोग ने इसे राज्य सरकार की अनोखी पहल बताया है।

नई दुनिया
6-6-2021

अब तक शहर में 252 कंटेनमेंट जोन

रतलाम | कोरोना को रोकने के लिए 11 मई से अब तक के 26 दिन में शहर में 252 इलाकों में कंटेनमेंट जोन बनाए जा चुके हैं। इसमें 152 से ज्यादा खोले भी जा चुके हैं। शनिवार को सिर्फ एक शहर सराय क्षेत्र में कंटेनमेंट जोन बनाया गया। इन जोन में नगर निगम लगातार सैनिटाइजर का छिड़काव कर रहा है। स्वास्थ्य विभाग की टीम प्रत्येक घर में सर्वे कर कोविड लक्षण वालों को ढूंढ रहे हैं। इन्हें मौके पर ही मेडिसिन किट भी जा रही है। भा 7-6-2

कोरोना वैक्सीन को लेकर घर-घर जाकर सर्वेक्षण किया

रतलाम। किल कोरोना अभियान के तहत कलेक्टर रतलाम द्वारा कोविड -19 महामारी की रोकथाम हेतु सर्वे दल का गठन किया गया है। समस्त सदस्यों दल द्वारा सर्वेक्षण कार्य घर -घर जाकर किया जा रहा है। शनिवार को रतलाम शहर के वार्ड क्रमांक 3 के जवाहर नगर ए एक्स क्षेत्र में दल क्रमांक 16 द्वारा सर्वेक्षण किया गया।

दल में उत्कृष्ट विद्यालय की शिक्षिका सीमा अग्निहोत्री,राजस्व कर्मचारी मनोजसिंह मंडलोई, नगर निगम कर्मचारी हेमंत सोलंकी के साथ आँगनवाड़ी कार्यकर्ता आशा रावत शामिल थे। सभी दल सदस्यों ने कोरोना वेक्सीनेशन के लिए लोगों को प्रेरित किया । साथ ही लोगों से चर्चा कर वैक्सीन के प्रति भ्रांतियों को दूर करने का प्रयास किया।इस क्षेत्र में कई लोग वैक्सीन लगवा चुके है। लोगों को जागरूक करने के उपरांत 45 वर्ष से अधिक उम्र के लोग ,जिन्होंने अब तक वैक्सीन का पहला डोज भी नहीं लगवाया था,वे भी वैक्सीनेशन के लिए घर से निकल आए। जो लोग अब भी किसी बीमारी की वजह से या कोविड पोजिटिव होने से व जो वैक्सीन से वंचित रह गए हैं ,उनकी रिपोर्ट वनिता सिंधु को भेज दी गई। वैक्सीन को लेकर युवावर्ग जागरूक है,लेकिन 45 से अधिक उम्र के कुछ लोग बुखार के डर से वेक्सीन नही लगवा रहे हैं। इस सर्वेक्षण के पश्चात निश्चित ही 45 प्लस के टीकाकरण को गति मिलेगी।

6-6-2021

वैक्सीन के प्रति भ्रांतियां दूर की

जवाहरनगर क्षेत्र में परिवार के सदस्यों की जानकारी लेते हुए दल सदस्य। • नईदुनिया

रतलाम। कोरोना की रोकथाम के लिए कलेक्टर ने सर्वे दल का गठन किया है। समस्त सदस्यों दल द्वारा घर-घर जाकर सर्वे किया जा रहा है।

शनिवार को शहर के वार्ड क्रमांक तीन के जवाहर नगर ए एक्स क्षेत्र में दल क्रमांक-16 द्वारा सर्वे किया गया। दल में उत्कृष्ट विद्यालय की शिक्षिका सीमा अग्निहोत्री, राजस्व कर्मचारी मनोजसिंह मंडलोई, नगर निगम कर्मचारी हेमंत सोलंकी के साथ आंगनवाड़ी कार्यकर्ता आशा रावत शामिल रहीं। दल सदस्यों ने कोरोना वैक्सीनेशन के लिए लोगों को प्रेरित किया। साथ ही लोगों से चर्चा कर वैक्सीन के प्रति फैली भ्रांतियों को दूर करने का प्रयास किया गया।

क्षेत्र में कई लोग वैक्सीन लगवा चुके हैं। लोगों को जागरूक करने के उपरांत 45 वर्ष से अधिक उम्र के लोग जिन्होंने अब तक वैक्सीन का पहला डोज नहीं लगवाया था, वे भी वैक्सीनेशन के लिए केंद्र पहुंचे। वैक्सीनेशन से वंचितों की रिपोर्ट वनिता सिंधु को भेजी गई।

6/6/21 नई दुनिया

नई दुनिया
6-6-2021

कोरोना वैक्सीन को लेकर घर-घर जाकर सर्वेक्षण किया

प्रजातंत्र न्यूज • रतलाम

6-6-21

किल कोरोना अभियान के तहत कलेक्टर रतलाम द्वारा कोविड -19 महामारी की रोकथाम हेतु सर्वे दल का गठन किया गया है। समस्त सदस्यों दल द्वारा सर्वेक्षण कार्य घर -घर जाकर किया जा रहा है। शनिवार को रतलाम शहर के वार्ड क्रमांक 3 के जवाहर नगर ए एक्स क्षेत्र में दल क्रमांक 16 द्वारा सर्वेक्षण किया गया। दल में उत्कृष्ट विद्यालय की शिक्षिका सीमा अग्निहोत्री, राजस्व कर्मचारी मनोजसिंह मंडलोई, नगर निगम कर्मचारी हेमंत सोलंकी के साथ आँगनवाड़ी कार्यकर्ता आशा रावत शामिल थे।

सभी दल सदस्यों ने कोरोना वेक्सीनेशन के लिए लोगों को प्रेरित किया । साथ ही लोगों से चर्चा कर वैक्सीन के प्रति भ्रांतियों को दूर करने का प्रयास किया। इस क्षेत्र में कई लोग वैक्सीन लगवा चुके हैं। लोगों को जागरूक करने के उपरांत 45 वर्ष से अधिक उम्र के लोग ,जिन्होंने अब तक वैक्सीन का पहला डोज भी नहीं लगवाया था,वे भी वैक्सीनेशन के लिए घर से निकल आए। जो लोग अब भी किसी बीमारी की वजह से या कोविड पोजिटिव होने से व जो वैक्सीन से वंचित रह गए है ,उनकी रिपोर्ट वनिता सिंधु को भेज दी गई।

वैक्सीन को लेकर युवावर्ग जागरूक है,लेकिन 45 से अधिक उम्र के कुछ लोग बुखार के डर से वेक्सीन नही लगवा रहे हैं। इस सर्वेक्षण के पश्चात निश्चित ही 45 प्लस के टीकाकरण को गति मिलेगी।

6-6-2021

पौधा लगाने पर ही बिल्डिंग परमिशन

धरती को आने वाली पीढ़ियों के रहने लायक रखना है तो पर्यावरण बचाना आवश्यक

विश्व पर्यावरण दिवस पर मुख्यमंत्री चौहान ने दिए निर्देश

भोपाल 5 जून. मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि अब बिल्डिंग परमिशन इसी शर्त पर दी जाएगी कि मकान बनाने वाला व्यक्ति एक पेड़ अवश्य लगाएगा. नगर निगम हो, नगर पालिका, नगर पंचायत अर्थात जिस भी स्तर का नगरीय निकाय हो बिल्डिंग परमिशन के लिए पौधा लगाने की शर्त अनिवार्य होगी. घर पर जगह न होने की स्थिति में पार्क या सार्वजनिक स्थल पर पौधा लगाना और उसकी सुरक्षा करना आवश्यक होगा. मुख्यमंत्री चौहान विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आज प्रदेशव्यापी अंकुर वृक्षारोपण अभियान का शुभारंभ कर संबोधित कर रहे थे.

मुख्यमंत्री ने कहा कि गाँवों में भी ग्राम पंचायतों की यह जिम्मेदारी होगी कि जो भी मकान बने, उसमें एक पेड़ अवश्य लगे. यह शर्त प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत बनने वाले आवासों पर भी लागू रहेगी. घरों के अलावा स्कूल, पंचायत भवन, खेत आदि में पेड़ लगाए जाएंगे. सरकारी भवनों और कार्यालयों के लिए भी यह शर्त रहेगी. मल्टीस्टोरी बिल्डिंग में जितने फ्लेट बनेंगे, उतने पेड़ बिल्डर को लगाने होंगे. सभी शासकीय, गैर-शासकीय भवनों के निर्माण में पेड़ लगाने की शर्त जोड़ी जाएगी.

उन्होंने कहा कि सभी प्रदेशवासियों को साल में एक बार पेड़ अवश्य लगाना चाहिए, क्योंकि पौधा रोपना जीवन रोपने के समान है. पेड़ ही जीवित ऑक्सीजन प्लांट है. पेड़ हमें जीवन देते हैं, एक बड़ा पेड़ कई पक्षियों, जीव-जंतुओं को आश्रय प्रदान करता है. प्रत्येक पेड़ की पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में भूमिका है. मुख्यमंत्री चौहान ने प्रदेशवासियों से हर खुशी के मौके, जन्म-दिन, विवाह वर्षगाँठ और माता-पिता व अपने प्रिय व्यक्तियों की पुण्य-तिथि पर उनकी याद में एक पौधा लगाने की अपील की. चौहान ने कहा कि यदि हमें धरती बचानी है और धरती को आने वाली पीढ़ियों के रहने लायक रखना है तो पर्यावरण बचाना आवश्यक है.

कोरोना कर्फ्यू 15 जून तक जारी रहेगा

मुख्यमंत्री चौहान ने कहा है कि प्रदेश मे कोरोना संक्रमण की स्थिति नियंत्रण में है. प्रदेश में कल 81 हजार टेस्ट हुए थे, जिनमें केवल 718 पॉजीटिव प्रकरण आए हैं. पॉजिटिविटी रेट अब घटकर 0.8 प्रतिशत हो गया है, प्रदेश के पाँच जिले ऐसे हैं, जिनमें कल कोरोना का एक भी प्रकरण नही आया. हमें आशा है कि प्रदेश के कई जिले अगले कुछ दिनों में पूरी तरह कोरोना मुक्त हो जायेंगे. मुख्यमंत्री स्मार्ट सिटी पार्क में वृक्षारोपण के उपरांत मीडिया प्रतिनिधियों से चर्चा कर रहे थे. चौहान ने कहा कि अभी इंदौर, भोपाल और जबलपुर में कोरोना के प्रकरणों की कुछसंख्या है. अभी लगातार सावधानी रखी जा रही है. अगर पाँच प्रतिशत से कम पॉजिटिविटी दर होती है तो कोरोना संक्रमण नियंत्रण मे माना जाता है. हम 0.8 प्रतिशत पॉजिटिविटी रेट पर पहुँच चुके हैं. अभी भी जनता का सहयोग आवश्यक है. ग्राम, वार्ड, नगर और जिलों की क्राइसिस मैनेजमेंट कमेटियाँ अनलॉक की प्रक्रिया में पूरी सतर्कता बरत रही हैं. हमें कोविड अनुकूल व्यवहार अर्थात मास्क लगाना, दूरी बनाए रखना, बार-बार हाथ साफ करना आदि को अपनी आदत में शामिल करना होगा. दुकानदारों को भी दूरी बनाये रखने, दुकानों पर भीड़ नही लगने देने जैसी सावधानियों को अपनाना होगा.

6/6/21

नव भारत

6-6-2021

अनुपस्थित 17 सफाई संरक्षक को कारण बताओ सूचना-पत्र

रतलाम। निगम आयुक्त सोमनाथ झारिया के निर्देशानुसार स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा रतलाम 05 जून शनिवार को प्रातः नगर के विभिन्न वार्डों में सफाई व्यवस्था के निरीक्षण के दौरान 17 सफाई संरक्षकों द्वारा अपने निर्धारित कर्तव्य स्थल से अनुपस्थित पाये जाने पर आधे व पुरे दिवस का वेतन काटे जाने के संबंध में कारण बताओ सूचना-पत्र जारी कर तीन दिवस में स्पष्टीकरण चाहा गया।

प्रातः निरीक्षण के दौरान झोन क्रमांक 1 में 12, झोन क्रमांक 3 में 3 व झोन क्रमांक 4 में 2 इस तरह कुल 17 सफाई संरक्षक अपने कर्तव्य स्थल से अनुपस्थित पाये जाने पर संबंधितों का आधे व एक दिवस का वेतन काटा जाकर कारण बताओ सूचना-पत्र जारी किया गया।

अनुपस्थित 47 सफाई संरक्षक को कारण बताओ सूचना-पत्र

आधे व एक दिवस को वेतन काटा

रतलाम । निगम आयुक्त श्री सोमनाथ झारिया के निर्देशानुसार स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा रतलाम 04 जून शुक्रवार को प्रातः नगर के विभिन्न वार्डों में सफाई व्यवस्था के निरीक्षण के दौरान 47 सफाई संरक्षकों द्वारा अपने निर्धारित कर्तव्य स्थल से अनुपस्थित पाये जाने पर आधे व पुरे दिवस का वेतन काटे जाने के संबंध में कारण बताओ सूचना-पत्र जारी कर तीन दिवस में स्पष्टीकरण चाहा गया।

(11)

ON INTERNATIONAL ENVIRONMENT DAY, CHIEF MINISTER SHIVRAJ SINGH CHOUHAN ANNOUNCES

PLANTING SAPLINGS MUST FOR BLDG PERMISSION

OUR STAFF REPORTER
BHOPAL

Planting saplings has become necessary in the state for getting permission for building construction.

Chief Minister Shivraj Singh Chouhan made the announcement on the International Environment Day on Saturday.

In order to get permission for building from any urban civic bodies, it will be necessary to ensure that saplings are planted on the building premises, he said.

Those who do not have enough space to plant saplings in their houses should pot a plantlet in parks and in public places and protect it, he said.

Planting saplings is a must for of any kind of house being constructed under any government or private schemes, including those being built under the Prime Minister's Awas Yojna, he added.

In rural areas, the village Panchayats must see that saplings are potted on the premises of any under-construction house, he said.

All school buildings, Panchayat Bhawans, government buildings must have trees, he emphasised.

The builders of multi-storey apartments must also ensure that saplings are planted on the building premises, he said.

The number of saplings will be equal of the number of flats they construct, Chouhan further said.

He said that men destroyed Mother Nature for their own purposes and that should not happen.

Temperature has increased because of wanton felling of trees, and everyone has seen its outcome, he said. Chouhan has also launched 'Ankur Abhiyan (drive for seedling). One can become part of the drive through Vayudoot Whatsapp.

One can plant a sapling, take its photograph and download it on the Whatsapp, the Chief Minister said.

A seven-year-old girl Kopal from Raisen has been made brand ambassador of Ankur Abhiyan. This girl has been planting saplings.

Chouhan further said that people should plant saplings on their birthdays and marriage anniversaries.

Protesting the environment is not a slogan; it is a mantra of life, he said.

Chief Minister Shivraj Singh Chouhan plants a sapling on International Environment Day on Saturday

5 6 2021

पौधा लगाने पर ही मिलेगी बिल्डिंग परमिशन : मुख्यमंत्री श्री चौहान

- विश्व पर्यावरण दिवस पर मुख्यमंत्री श्री चौहान ने दिए निर्देश - प्रदेशवासी साल में एक पौधा अवश्य लगायें
- मुख्यमंत्री श्री चौहान ने जन-भागीदारी से वृक्षारोपण के लिए अंकुर अभियान का किया शुभारंभ

प्रसारण न्यूज • भोपाल

5 6 21

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि अब बिल्डिंग परमिशन इसी शर्त पर दी जाएगी कि मकान बनाने वाला व्यक्ति एक पेड़ अवश्य लगाएगा। नगर निगम हो, नगर पालिका, नगर पंचायत अर्थात जिस भी स्तर का नगरीय निकाय से बिल्डिंग परमिशन के लिए पौधा लगाने की शर्त अनिवार्य होगी। घर पर जगह न होने की स्थिति में पार्क या सार्वजनिक स्थल पर पौधा लगाना और उसकी सुरक्षा करना आवश्यक होगा।

मुख्यमंत्री श्री चौहान विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आज प्रदेशव्यापी अंकुर वृक्षारोपण अभियान का शुभारंभ कर संबोधित कर रहे थे। निवास से वर्चुअली आरंभ इस कार्यक्रम में किसान-कल्याण तथा कृषि विकास मंत्री कमल पटेल उपस्थित थे। नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा एवं पर्यावरण मंत्री हरदीप सिंह डंग ने कार्यक्रम में वर्चुअली मंदसौर से सहभागिता की। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने 5 जिलों के अंकुर अभियान के जिला नोडल अधिकारियों से वी.सी. द्वारा संवाद किया। कार्यक्रम में हरदा में वृक्षारोपण गतिविधियों का फिल्म द्वारा प्रस्तुतीकरण किया गया। अपर मुख्य सचिव श्री मलय श्रीवास्तव ने अंकुर कार्यक्रम के संबंध में जानकारी दी।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि गाँवों में भी ग्राम पंचायतों की यह जिम्मेदारी होगी कि जो भी मकान बने, उसमें एक पेड़ अवश्य लगे। यह शर्त प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत बनने वाले आवासों पर भी लागू रहेगी। घरों के अलावा स्कूल, पंचायत भवन, खेत आदि में पेड़ लगाए जाएंगे। सरकारी भवनों और कार्यालयों के लिए भी यह शर्त रहेगी। मल्टीस्टोरी बिल्डिंग में जितने फ्लेट बनेंगे, उतने पेड़ बिल्डर को लगाने होंगे। सभी शासकीय, गैर-शासकीय भवनों के निर्माण में पेड़ लगाने की शर्त जोड़ी जाएगी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि व्यक्ति स्व-प्रेरणा से भी पेड़ लगाएँ, क्योंकि पर्यावरण सुधार हमारे लिए नारा नहीं मंत्र है।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने प्रदेशवासियों से पर्यावरण बचाने में सहयोग की अपील की। उन्होंने कहा कि सभी प्रदेशवासियों को साल में एक बार पेड़ अवश्य लगाना चाहिए, क्योंकि पौधा रोपना जीवन रोपने के समान है। पेड़ ही जीवित ऑक्सीजन प्लांट है। पेड़ हमें जीवन देते हैं, एक बड़ा पेड़ कई पक्षियों, जीव-जंतुओं को आश्रय प्रदान करता है। प्रत्येक पेड़ की पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में भूमिका है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने प्रदेशवासियों से हर खुशी के मौके, जन्म-दिन, विवाह वर्षगांठ और माता-पिता व अपने प्रिय व्यक्तियों की पुण्य-तिथि पर उनकी याद में एक पौधा लगाने की अपील की।

अंकुर कार्यक्रम के प्रतिभागियों को प्राणवायु अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा- मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि जन-सहभागिता से वृक्षारोपण को प्रोत्साहित करने के लिए अंकुर कार्यक्रम आरंभ किया गया है। बुद्ध पूर्णिमा 26 मई को इसके लिए वायुदूत एप लॉंच किया गया है। इस कार्यक्रम में अब तक 15 हजार से अधिक प्रतिभागियों द्वारा रजिस्ट्रेशन कराया गया है।

लगभग 2,500 से अधिक प्रतिभागियों द्वारा वृक्षारोपण कर एप पर उसके फोटो अपलोड किए गए हैं। जो पेड़ लगाएंगे उन्हें वृक्ष वीर और वृक्ष वीरांगना की संज्ञा दी जाएगी। इनमें से चयनित प्रतिभागियों को प्राणवायु अवार्ड से सम्मानित भी किया जाएगा।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने निवाड़ी जिले में अब तक सबसे अधिक पंजीयन होने पर जिले के अधिकारियों तथा प्रतिभागियों को बधाई दी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि यदि हमें धरती बचानी है और धरती को आने वाली पीढ़ियों के रहने लायक रखना है तो पर्यावरण बचाना आवश्यक है। इसके लिए पेड़ लगाना, नदियों को बचाना आवश्यक है।

6 6 21

सफाई में लापरवाह कर्मचारियों पर चला कार्रवाई का डंडा

स्वच्छता अभियान : 3 दिन में 150 का वेतन काटा

पत्रिका न्यूज नेटवर्क 6/6/21
patrika.com

रतलाम. कोरोना के लॉकडाउन से बाहर आते ही एक बार फिर नगर निगम ने स्वच्छता अभियान को गति देना शुरू कर दिया है। निगम के स्वास्थ्य अधिकारी एपीसिंह व आयुक्त सोमनाथ झारिया ने मिलकर निरीक्षण करना शुरू कर दिया है। निरीक्षण में जो कर्मचारी कामचोर होकर काम से नदारत मिल रहे हैं उनके उपर कार्रवाई का चाबुक चल रहा है। तीन दिन में 150 से अधिक कर्मचारियों को एक दिन का वेतन काटने की सजा दी गई है।

नगर निगम के स्वास्थ्य अधिकारी सिंह ने बताया कि सुबह 5 बजे से लेकर सुबह 10 बजे तक व

दोपहर में 2 बजे से लेकर शाम 5 बजे तक दो चरण में निरीक्षण का अभियान शुरू किया गया है। विभिन्न वार्डों में सफाई व्यवस्था के निरीक्षण के दौरान जो सफाई संरक्षक काम पर उपस्थित नहीं मिल रहे हैं उन पर कार्रवाई की जा रही है। इसमे यह भी देखा जा रहा है कि कर्मचारी बगैर वाजिब कारण से काम पर नहीं आया है या परिवार का कोई कारण है। अगर कर्मचारी या उसका परिवार का सदस्य बीमार है तो कर्मचारी को हिदायत दी जा रही है। अगर कर्मचारी अनुपस्थित मिलता है तो आधे व पुरे दिवस का वेतन काटे जाने के संबंध में कारण बताओ सूचना-पत्र जारी कर स्पष्टीकरण का समय दिया जा रहा है।

इतने रहे नदारद

गुरुवार से शुरू किए गए इस अभियान में पहले दिन गुरुवार को 47 कर्मचारी, दूसरे दिन शुक्रवार को 53 कर्मचारी व शनिवार को 50 से अधिक कर्मचारी काम से नदारत पाए गए। अब इन सभी को एक दिन के वेतन काटने की सजा के साथ कारण बताओं सूचना पत्र दिया गया है। काम पर नहीं आने का उचित कारण नहीं बताया गया तो बर्खास्तगी की कार्रवाई की जाएगी।

- एपीसिंह, स्वास्थ्य अधिकारी, नगर निगम

पत्रिका
6-6-2021